डोंगरिया कोंध जनजाति

[स्रोत: TH]

ओडिशा के नियामगिरि पहाड़ियों में निवासरत [डोंगरिया कोंध]एक [विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG)]हैं, जो प्रकृति के साथ अपने आध्यात्मिक बंधन और विशिष्ट संस्कृति के लिये जाने जाते हैं।

- **डोंगरिया कोंध जनजाति:** वे पहाड़ियों के देवता **नियम राजा** की पूजा करते हैं और **पोडु (स्थानांतरित) खेती** जैसी परंपराओं का पालन करते हैं।
  - वे कुई नामक एक प्राचीन **द्रविड़ भाषा बोलते हैं और पीढ़ियों से गीतों और नृत्य की मौखिक परंपराओं** के माध्यम से अपने पूर्वजों का ज्ञान संजोते हैं (इस भाषा की कोई लिपि नहीं है)।
  - इस जनजाति की कई **उप-जनजातियाँ** हैं, जैसे **कोवी, कुट्टिया, लंगुली, पेंगा, और झरनिया (झरनों की रक्षक)।**
- **भूमि पर अधिकार:** वर्ष 2000 के दशक में इस जनजाति ने वेदांता कंपनी की अपनी **भूमि पर खनन परियोजनाओं** का दृढ़ता से विरोध किया।
  - यह विरोध **वर्ष 2013 में एक ऐतिहासिक सर्वोच्च न्यायालय के फैसले** में परिणत हुआ, जिसमें **ग्राम सभा** को अपनी भूमि पर खनन परियोजनाओं को अस्वीकार करने का संवैधानिक अधिकार दिया गया।
- **PVTG:** यह अनुसूचित जनजातियों की एक उप-श्रेणी है, जिन्हें सामान्य **अनुसूचित जनजातियों की तुलना में अधिक संवेदनशील** माना जाता है।
  - भारत में कुल **75 PVTGs** हैं, जिनमें सबसे **अधिक (13) ओडिशा में हैं, इसके बाद आंध्र प्रदेश में 12** हैं।
- **नियमगिरि पर्वत शृंखला:** यह ओडिशा के **कालाहांडी और रायगढ़ ज़िलों** में स्थित है, इसकी सीमा उत्तर-पश्चिम में **करलापट वन्यजीव अभयारण्य** और उत्तर-पूर्व में **कोटगढ़ वन्यजीव अभयारण्य** से लगती है।

और पढ़ें: [डोंगरिया कोंध जनजाति]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dongria-kondh-tribe